

Sanskrit Department Activity: 2019-20



**इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज
लाडवा (धनौया) कुरुक्षेत्र**

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

के सहयोग से

संस्कृत विभाग

द्वारा कॉलेज स्तर पर

ऑनलाइन संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता

का आयोजन

विडियो भेजने की अन्तिम तिथि

29 जून, 2020

विषय :

- सभी प्रतिभागी संस्कृत श्लोकोच्चारण का विडियो बनाएँ।
- श्लोक आप अपने पाठ्यक्रम भगवद्गीता या अन्य स्रोत से ले सकते हैं।
- श्लोकोच्चारण की समय अवधि 4 से 5 मिनट होगी।
- प्रतिभागी स्वयं का एक ही विडियो Whatsapp : 93156 66670 या drghawat70@gmail.com पर भेजें।
- श्लोकोच्चारण से पूर्व आप अपना नाम, कक्षा और अनुक्रमांक अवश्य बताएँ।
- निर्णायक मंडल का निर्णय अन्तिम होगा।

पुरस्कार

प्रथम 500 रुपये
द्वितीय 300 रुपये
तृतीय 200 रुपये

डॉ. हरिप्रकाश शर्मा
प्राचार्य

डॉ. नवीन कुमारी
संयोजिका

Session - 2019-20
Department Sanskrit



Dear Participants

Date: 29 June 2020

Thank you for participating in Online Sanskrit Shlok Ucharan Competition held by Department of Sanskrit. It is the matter of proud that 27 participants sent their videos. The final result of the competition is as follows:-

Sr. no.	Name	Class	Roll No.	Position
1	Parul	B.Sc. II	2281620007	1st
2	Saravjeet Kour	B.A.II	2281420048	2nd
3	Ankit Sharma	B.A.I	3162710080	3rd

Dr. Naveen Kumari

Assistant Professor of Sanskrit

IGN College Ladwa

आई जी कॉलेज के संस्कृत विभाग द्वारा ऑनलाईन संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया

लाहवा (केलाश गोयल)। इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज के संस्कृत विभाग द्वारा ऑनलाईन संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने ऑनलाईन रहकर बट बट कर भाग लिया। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अपने चलचित्र बनाकर संयोजिका को भेजे। प्रतियोगिता में संयोजिका की भूमिका विभागाध्यक्ष डॉ० नवीन कुमारी द्वारा निभाई गई। डॉ० नवीन कुमारी ने प्रतियोगिता को करवाने के लिए प्राचार्य डॉ० हरिप्रकाश शर्मा का सहदिल से धन्यवाद किया। डॉ० नवीन कुमारी ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने श्लोक अपने पाठ्यक्रम भगवद्गीता या अन्य स्रोत से बोलना था। विद्यार्थियों द्वारा प्रतियोगिता में बहुत ही स्पष्ट और ज्ञानवर्धक श्लोकों का उच्चारण किया गया। प्रतियोगिता में पारुल, सर्वजीत कौर और अंकित शर्मा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। डॉ० हरिप्रकाश शर्मा ने बताया कि संस्कृत का भारतीय संस्कृति में बहुत महत्त्व है। संस्कृत भाषा को सभी भाषाओं की जननी कहा जाता है। संस्कृत भाषा के सभी ग्रंथों व उपनिषदों को पढ़ने व पढ़ाने से संस्कारों का प्रभाव बढ़ता है। प्राचार्य महोदय ने कहा कि सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता प्रमाणपत्र ऑनलाईन भेजे जायेंगे। जल्द ही ईनाम राशि भी प्रेषित कर दी जायेंगी। प्राचार्य ने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी। प्राचार्य ने संयोजिका को प्रतियोगिता के सफल समापन की बधाई भी दी।